हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

जबलपुर, शनिवार 20 जून 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आमजन को नजदीक ही बेहतर सेवाएं सुनिश्चित कराना राज्य शासन की प्राथमिकताः कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग, भोपाल द्वारा नागरिकों की सुविधा, भौगोलिक परिस्थितियों और जन-अपेक्षाओं के अनुरूप एक सुलभ, पारदर्शी और जनोन्मुखी प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों की दक्षता बढ़ाना और आम जनता को उनके नजदीक ही बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करना राज्य शासन की मुख्य प्राथमिकता है। बेहतर सेवाओ को दृष्टिगत रखते हुए संभाग, जिला, तहसील और विकासखंड जैसी प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन तथा युक्तियुक्तकरण की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की टीम लीडर प्रोफेसर डॉ. नीतू जैन ने कहा कि शासन की मंशा जनता को त्वरित प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि यह आयोग नागरिकों की व्यावहारिक सुविधाओं और स्थानीय जन-अपेक्षाओं का बारीकी से अध्ययन कर अपनी महत्वपूर्ण अनुशंसाएं शासन को सौंपेगा। प्रशासनिक सीमाओं के इस पुनर्गठन से सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों के लिए भी शासकीय कार्य बेहद आसान हो जाएंगे। बैठक में दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से मैदानी स्तर पर कार्य निष्पादन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं और भौगोलिक विसंगतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

फांसी के फंदे पर झूल चुकी महिला को आरक्षकों ने खींचकर निकाला बाहर

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र के कुदरा टोला में खाना बनाने जैसी मामूली बात पर उपजा पारिवारिक विवाद उस वक्त खौफनाक मंजर में बदल गया, जब एक महिला ने मौत को गले लगाने के लिए खुद को कमरे में कैद कर लिया, लेकिन धनपुरी पुलिस के आरक्षकों की सूझबूझ ने ऐन वक्त पर मौत के मुंह में हाथ डालकर महिला की जिंदगी को वापस खींच लिया। इस हैरतअंगेज रेस्क्यू का लाइव वीडियो सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कुदरा टोला निवासी रज्जू का अपनी पत्नी चरकी से विवाद हुआ था। गुस्से से महिला ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फांसी लगा ली।

सुपरमैन उपयंत्री के भरोसे आधा दर्जन जिले

पानी की टंकी के नाम पर 13.50 लाख रुपए की बंदरबांट

बदहाली और भ्रष्टाचार की दास्तान बयां कर रहा जिले का मत्स्य उद्योग विभाग

शहडोल में धड़ल्ले से चल रहा घटिया निर्माण का खेला

शहडोल। जिला मुख्यालय का मत्स्य उद्योग विभाग इन दिनों सरकारी बजट को ठिकाने लगाने और भ्रष्टाचार की नई इबारत लिखने की प्रयोगशाला बन चुका है। विभागीय लापरवाही और आला अफसरों की घोर कंगाली (मानसिक व नैतिक) का आलम यह है कि कागजों पर तो लाखों-करोड़ों की योजनाएं चमचमा रही हैं, लेकिन धरातल पर निर्माण कार्य पूरी तरह से भगवान भरोसे छोड़ दिए गए हैं। सरकारी पैसों की ऐसी निर्लज्ज बंदरबांट मची है कि देखने वालों की रूह कांप जाए, पर कुंभकर्णी नींद सोए जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों की आंखों पर गांधी जी के तीन बंदरों का चश्मा चढ़ा हुआ है। ताजा तरीन और बेहद शर्मनाक मामला विभाग में 50 हजार लीटर क्षमता की पानी टंकी के निर्माण का है। इस काम के लिए शासन द्वारा 13 लाख 50 हजार रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन इस बजट को ठिकाने लगाने के लिए जो खेल-खेल में बड़ा घोटाला रचा जा रहा है, वह

चिल्ला-चिल्लाकर विभाग की सड़ांध बयां कर रहा है। नियमों और तकनीकी मापदंडों को पैरों तले कुचलते हुए इस निर्माण कार्य का ठेका सतना के एक चहेते और रसूखदार ठेकेदार की झोली में डाल दिया गया है, जिसने निर्माण स्थल को सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है।

उपयंत्री की जुगलबंदी में पारदर्शिता का गला घोंटा

निर्माण स्थल पर तानाशाही, मनमानी और अंधेरगर्दी का यह खुला खेल धड़ल्ले से जारी है। कायदे से किसी भी सरकारी निर्माण कार्य के शुरू होने से पहले वहां एक प्राक्कलन बोर्ड (स्टीमेट बोर्ड) लगाया जाना अनिवार्य है, ताकि आम जनता को पता चल सके कि बजट कितना है, सामग्री कौन सी लगनी है और तकनीकी विवरण क्या है। लेकिन यहाँ पारदर्शिता का जनाजा निकाल दिया गया है। काम के दौरान न तो कोई बोर्ड टंगा है और न ही कोई तकनीकी अमला मौके पर झांकने तक आता है। ठेकेदार और विभाग के लापरवाह उपयंत्री की अंडरस्टैंडिंग ने मिलकर नियमों की धज्जियां उड़ा दी हैं। निर्माण कार्य में सीमेंट, बालू और छड़ के अत्यंत घटिया मिश्रण का उपयोग किया जा रहा है। कंक्रीट के नाम पर जो पीला मसाला भरा जा रहा है, वह पहली ही बारिश में भरभरा कर गिर जाए तो अचरज नहीं होगा।

सुपरमैन उपयंत्री के भरोसे आधा दर्जन जिले

इस पूरे घालमेल और घोटाले की सबसे मजेदार, हास्यास्पद और चौकाने वाली बात यह है कि जिस तकनीकी उपयंत्री के कंधों पर इस लाखों के निर्माण कार्य की निगरानी का जिम्मा है, वह कोई आम मुलाजिम नहीं हैं। वे तो विभाग के सुपरमैन हैं, कथित साहब के पास सिर्फ शहडोल का प्रभार नहीं है, बल्कि वे अकेले ही सतना, रीवा, उमरिया, अनूपपुर सहित आधा दर्जन जिलों का प्रभार अपनी जेब में लेकर घूम रहे हैं। अब शहडोल का आम नागरिक भी सहज ही अंदाजा लगा सकता है कि जो अधिकारी एक साथ छह-छह जिलों की खाक छान रहा हो, वह शहडोल के कार्य की गुणवत्ता की

क्या खाक निगरानी करेगा? सूत्रों की मानें तो छह जिलों के प्रभार की मलाई काट रहे ये साहब महीने में केवल एक या दो बार भ्रमण के तौर पर शहडोल में अपनी सूरत दिखाते हैं। जब तकनीकी रूप से जिम्मेदार अधिकारी ही लापता रहेगा, तो ठेकेदार तो लोहे की जगह सूतली बांधकर भी पिलर खड़ा कर देगा। यह सीधे-सीधे प्रशासनिक तंत्र का दिवालियापन है कि एक ही उपयंत्री को सर्वव्यापी बना दिया गया है।

बिना राजा की फौज बना तंत्र

मत्स्य विभाग इन दिनों बिना राजा की फौज की तर्ज पर रेंग रहा है। पहले यहां पदस्थ रहे मुख्य अधिकारी के सेवानिवृत्त होने के बाद से जिला प्रशासन और शासन ने इस अति-संवेदनशील विभाग को पूरी तरह लावारिस छोड़ दिया। आज तक यहां कोई परमानेंट और पूर्णकालिक जिम्मेदार अधिकारी तैनात नहीं किया जा सका है। वर्तमान में विभाग की पूरी कमान डॉ. अरशद खान के पास महज प्रभार के तौर पर सौंप दी गई है। अब जब मुखिया ही कामचलाऊ हो, तो निचले स्तर के कर्मचारी और उपयंत्री किस दर्जे की मनमानी करेंगे, यह किसी से छिपा नहीं है। कुल मिलाकर, शहडोल का मत्स्य विभाग भ्रष्टाचार का खुला अड्डा और दागी ठेकेदारों की जागीर बन चुका है।

क्या जांच के नाम पर फिर होगी लीपापोती

जनता के टैक्स का पैसा सीधे ठेकेदार और भ्रष्ट अफसरों की जेब में समा रहा है और पूरा जिला प्रशासन मूकदर्शक बना तमाशा देख रहा है। क्या वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों को यह दिखाई नहीं देता कि छह जिलों का बोझ दबाए बैठा एक उपयंत्री यहां हो रहे निर्माण कार्य के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहा है। यदि इस 13.50 लाख की पानी टंकी और उपयंत्री के बाकी कारनामों की उच्च स्तरीय निष्पक्ष तकनीकी जांच नहीं हुई, तो यह सरकारी ढांचा किसी बड़े हादसे का कारण बनेगा।

शहडोल में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल फूंकेंगे रणभेरी

सिंधु भवन से गूंजेगी हिंदू एकता की हुंकार, मेहुल श्रीवास्तव ने तय की रणनीति

शहडोल। सनातन संस्कृति की रक्षा, राष्ट्रभक्ति के संकल्प और हिंदू समाज की अभेद्य एकता को और अधिक धार देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल इस बार अपने आठवें स्थापना दिवस पर पूरे जिले में शौर्य का प्रदर्शन करने जा रहा है। संगठन का यह स्थापना दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि हिंदू हितों के खिलाफ आंख उठाने वाली ताकतों को सीधे तौर पर एक कड़ा और आक्रामक संदेश होगा। महाकौशल प्रांत के फायरब्रांड पदाधिकारी मेहुल श्रीवास्तव ने दोटूक शब्दों में साफ कर दिया है कि यह आयोजन पूरी तरह से हिंदुओं की सुरक्षा, सेवा, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र समर्पण के लिए समर्पित रहेगा। प्रांत पदाधिकारी मेहुल श्रीवास्तव ने रणभेरी फूंकते हुए बताया कि जिले के कोने-कोने में संगठन अपनी ताकत का अहसास कराएगा।

जिले के विभिन्न नगरों, मंडलों और सुदूर ग्राम इकाइयों को मिलाकर कुल 54 रणनीतिक स्थानों पर स्थापना दिवस के भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन सभी केंद्रों पर गगनभेदी नारों के बीच भगवा ध्वजारोहण, हिंदू जागरण गोष्ठियां, मातृभूमि के लिए समर्पित जांबाज कार्यकर्ताओं का सम्मान, सेवा गतिविधियां और हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए व्यापक संवाद जैसे आक्रामक और चेतना जगाने वाले कार्यक्रम संपन्न होंगे।

जिले का सबसे मुख्य, केंद्रित और भव्य कार्यक्रम जिला मुख्यालय शहडोल स्थित सिंधु भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस महा-आयोजन में संगठन के शीर्ष रणनीतिकार, वरिष्ठ पदाधिकारी, संतों-महंतों सहित सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की दिग्गज हस्तियां और हजारों की संख्या में सनातनी योद्धा शामिल होंगे। मुख्य कार्यक्रम में संगठन की पिछले 8 वर्षों की संघर्षमयी यात्रा, गौ-वंश संरक्षण के लिए किए गए बड़े आंदोलनों, लव जिहाद-धर्मांतरण जैसी राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ी गई लड़ाइयों का लेखा-जोखा पेश किया जाएगा। साथ ही, आगामी समय में हिंदू विरोधियों को नेस्तनाबूद करने के लिए भविष्य की अभेद्य कार्ययोजना पर भी हुंकार भरी जाएगी।

मेहुल श्रीवास्तव ने जिले के समस्त पदाधिकारियों, उग्र राष्ट्रभक्त कार्यकर्ताओं और सनातनी प्रबुद्ध नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में होने वाले कार्यक्रमों में पूरी ताकत से जुट जाएं। उन्होंने शहडोल के सिंधु भवन में होने वाले मुख्य कार्यक्रम को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए भारी से भारी संख्या में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सेवा, संस्कार, सुरक्षा और संगठन के मूल मंत्र के साथ अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल आने वाले समय में भी हिंदू हितों के लिए किसी भी हद तक जाकर संघर्ष करने से पीछे नहीं हटेगा।

जिला अस्पताल में दिशा वेलफेयर एसोसिएशन ने फूंका जागरूकता का बिगुल

शहडोल। विश्व सिकल सेल दिवस के मौके पर जिला अस्पताल के थैलेसीमिया और सिकल सेल वार्ड में दिशा वेलफेयर एसोसिएशन ने इस जानलेवा बीमारी के खिलाफ एक बेहद आक्रामक और धारदार अभियान की शुरुआत की है। संस्था ने समाज को इस अनुवांशिक बीमारी से मुक्त कराने के लिए चौतरफा घेराबंदी शुरू कर दी है। इस उच्च स्तरीय कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग (मध्य प्रदेश) की नियामक एवं नीति निदेशक डॉ. बीनू कुशवाह, सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ, पूर्व रक्तकोष प्रभारी डॉ. सुधा नामदेव सहित डॉ. अंशुमन सोनारे और डॉ. पुनीत श्रीवास्तव जैसी चिकित्सा जगत की दिग्गज हस्तियों ने मोर्चा संभाला। विशेषज्ञों ने दोटूक लहजे में चेतावनी देते हुए उपस्थित जनता को सिकल सेल की समय पर पहचान, रोकथाम और तत्काल जांच कराने के महत्व को समझाया।सिर्फ भाषण नहीं, बल्कि धरातल पर आक्रामक काम करते हुए संस्था ने जिला अस्पताल के रक्तकोष (ब्लड बैंक) में एक विशाल रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया। इसमें जिले के जांबाज रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे मासूमों के लिए रिकॉर्ड तोड़ रक्तदान कर मानवता की एक नई इबारत लिख दी। चिकित्सकों और समाजसेवियों ने साफ किया कि जब तक सिकल सेल का समूल नाश नहीं हो जाता, यह लोकतांत्रिक और सामाजिक संघर्ष जारी रहेगा।

यूसीसी के खिलाफ जमीअत उलमा-ए-हिन्द का शंखनाद

शहडोल कलेक्टर को सौंपा आपत्ति पत्र

शहडोल। मध्य प्रदेश में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के मसौदे को लेकर मुस्लिम समाज में गहरा असंतोष और उबाल है। जमीअत उलमा-ए-हिन्द (जिला इकाई-शहडोल) ने इस कानून के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान करते हुए शासन-प्रशासन को सीधी और आक्रामक चेतावनी दे दी है। संगठन के जिला अध्यक्ष मौलाना जरयाब साकिबी के नेतृत्व में स्थानीय उलेमाओं और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश यूसीसी समिति की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई के नाम शहडोल कलेक्टर को एक बेहद सख्त व कानूनी तर्कों से लैस विस्तृत आपत्ति पत्र सौंपा है।

जमीअत उलमा-ए-हिन्द ने दोटूक लहजे में कहा है कि यूसीसी के माध्यम से एक समरूप कानून थोपना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 के तहत मिली धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का खुला उल्लंघन है। ज्ञापन में गर्जना करते हुए कहा गया कि निकाह, तलाक, विरासत, खुला और हिबा जैसे मामले किसी सामाजिक रीति-रिवाज का हिस्सा नहीं, बल्कि पवित्र कुरान और सुन्नत के अटल सिद्धांतों पर आधारित शरियत का अनिवार्य अंग हैं। मुस्लिम समाज अपने व्यक्तिगत कानूनों में किसी भी शासकीय या विधायी हस्तक्षेप को रत्ती भर भी स्वीकार नहीं करेगा।

प्रस्तावित कानून में लिव-इन रिलेशनशिप (बिना निकाह साथ रहना) को कानूनी मान्यता देने और उसका अनिवार्य पंजीकरण करने के प्रावधान पर संगठन ने अत्यंत आक्रामक रुख अख्तियार किया है। मौलाना जरयाब साकिबी ने इसे घोर अनैतिक और सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने वाली व्यवस्था करार दिया। उन्होंने कहा कि इस्लामी शरियत के अनुसार बिना निकाह के किसी भी पुरुष और महिला का साथ रहना पूरी तरह वर्जित और संगीन गुनाह की श्रेणी में आता है। इस व्यवस्था को कानूनी ढाल देना भारतीय सामाजिक नैतिकता और सनातन पारिवारिक मूल्यों पर भी सीधा प्रहार है।

आपत्ति पत्र में मध्य प्रदेश की भौगोलिक और सामाजिक वास्तविकता का हवाला देते हुए सरकार के दोहरे मापदंडों की पोल खोली गई है। संगठन ने तर्क दिया कि प्रदेश में लगभग 20 प्रतिशत आबादी मूल निवासी आदिवासियों की है, जिनके अपने विशिष्ट पारंपरिक कानून हैं। उत्तराखंड और गुजरात की तर्ज पर यदि आदिवासियों को इस कानून से बाहर रखा जा रहा है, तो फिर समानता और एकरूपता का दावा पूरी तरह ध्वस्त हो जाता है। चुनिंदा समुदायों को छूट देकर मुस्लिम पर्सनल लॉ को निशाना बनाना पूरी तरह अनुचित, असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण है। जमीअत उलमा-ए-हिन्द और समस्त मुस्लिम समाज ने चेतावनी भरे लहजे में मांग की है कि मध्य प्रदेश में यूसीसी को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, अन्यथा देश का संघीय ढांचा, सामाजिक समरसता और धार्मिक स्वायत्तता पूरी तरह खतरे मंद पड़ जाएगी।

यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे!

भूखे और अस्वस्थ चालकों के हाथ में ट्रेनों की कमान

शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न रनिंग रूम्स आज अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुके हैं। हजारों यात्रियों की जान सुरक्षित मंजिल तक पहुंचाने वाले लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों और ट्रेन मैनेजरों (गार्डों) की सेहत के साथ रेलवे प्रशासन खिलवाड़ कर रहा है। बिलासपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, बिजुरी, करंजी और शहडोल जैसे अति-संवेदनशील स्टेशनों के रनिंग रूम्स में अत्यंत घटिया, बासी और अस्वास्थ्यकर भोजन परोसा जा रहा है। इस लापरवाही से आक्रोशित रेल कर्मियों ने अब आर-पार की जंग का मन बना लिया है।

लगातार कई घंटों तक लोहे के पहियों पर जिंदगी दौड़ाने वाले इन रेल चालकों के लिए पौष्टिक भोजन कोई विलासिता नहीं, बल्कि अनिवार्य जरूरत है। उनकी मानसिक और शारीरिक सतर्कता पर ही देश की सुरक्षा टिकी हुई है, लेकिन रनिंग रूम्स में स्वच्छता के नियमों को ताक पर रखकर, कीड़े-मकोड़ों के बीच अत्यंत निम्न स्तर का राशन पकाया जा रहा है। भोजन में न तो ताजगी होती है और न ही पोषण। रेल संगठनों ने तीखी चेतावनी देते हुए कहा है कि प्रशासन का यह अडियल रवैया किसी बड़ी और भयानक रेल दुर्घटना को खुला निमंत्रण दे रहा है। इस पूरे मामले में सबसे शर्मनाक पहलू मंडल रेल अधिकारियों का दमनकारी रवैया है। जब भी कोई भुक्तभोगी कर्मचारी रनिंग रूम की शिकायत पुस्तिका में अपनी आवाज बुलंद करता है, तो व्यवस्था सुधारने के बजाय उसे ही प्रताड़ित किया जाता है। रेल कर्मियों का सीधा आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने वाले चालकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर उनका दूर-दराज के क्षेत्रों में तबादला कर दिया जाता है। ठेकेदारों की जेब भरने के लिए अधिकारियों द्वारा चलाई जा रही यह तानाशाही अब बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है।

कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि वे अब इस

अन्याय को चुपचाप नहीं सहेंगे। उनकी प्रमुख मांग है कि भोजन और कच्चे राशन की नियमित व औचक जांच की जाए। भोजन पकाने वाले स्थानों पर स्वच्छता की कठोर व्यवस्था लागू हो। भ्रष्ट ठेकेदारों पर नकेल कसी जाए और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का उपयोग अनिवार्य हो। शिकायत करने वाले कर्मचारियों पर दमनकारी कार्रवाई तुरंत बंद की जाए। रेलवे यूनियनों ने दोटूक लहजे में चेतावनी दी है कि यदि भोजन के स्तर में तत्काल सुधार नहीं हुआ और तानाशाही बंद नहीं की गई, तो पहियों की रफ्तार को थामते हुए एक अभूतपूर्व और उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेल प्रशासन की होगी।

चचाई के धुरंधरों ने मारी बाजी

विद्युत कैरम प्रतियोगिता में चमचमाती ट्रॉफी पर जमाया कब्जा, खंडवा को मिला दूसरा स्थान

शहडोल। मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (जबलपुर) के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय 48वीं अंतर-क्षेत्रीय विद्युत कैरम प्रतियोगिता का जिला महिला समिति शहडोल के परिसर में 19 जून बेहद रोमांचक समापन हुआ। 17 जून से शुरू हुए इस विभागीय खेल महाकुंभ के अंतिम दिन खिलाड़ियों के बीच श्रेष्ठता साबित करने की जबरदस्त जंग देखने को मिली। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर की कुल 10 दिग्गज टीमों ने हिस्सा लिया था, जिसमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, सागर, सिरमौर, चचाई, सिंघाजी खंडवा, उज्जैन और मेजबान शहडोल की टीमों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी।कैरम बोर्ड पर उंगलियों की ऐसी धारदार गूंज उठी कि विपक्षी चित हो गए। कड़े

मुकाबलों के बाद अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई (अनूपपुर) ने अपनी आक्रामक रणनीति की बदौलत प्रथम स्थान हासिल कर चमचमाती ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं श्री सिंघाजी ताप विद्युत परियोजना, खंडवा की टीम को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कड़े संघर्ष के बाद इंदौर क्षेत्र की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता में शानदार खेल दिखाने वाले सर्वश्रेष्ठ 08 खिलाड़ियों का चयन ऑल इंडिया रैंकिंग के लिए किया गया है।समापन समारोह में विभाग के आला अफसरों की भारी मौजूदगी रही। मुख्य अभियंता (शहडोल क्षेत्र) प्रमिल कुमार मिश्रा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य अभियंता (प्रवर्तन) ए.के. परते और कार्यक्रम की अध्यक्षता अधीक्षण अभियंता जे.एस. नंदा ने की। खेल सचिव संजय वर्मा सहित कार्यपालन अभियंता जितेंद्र कुमार संत, जितेंद्र कुमार, नागेश कुमार प्रजापति और क्षेत्रीय लेखाधिकारी अभिषेक देवांगन ने आयोजन की कमान संभाली। अनुभाग अधिकारी सुधीर कुमार गौतम ने अपने धारदार मंच संचालन से समां बांध दिया। अंत में मुख्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र सौंपे। समूचे आयोजन को सफल बनाने में शहडोल क्षेत्र के अधिकारी-कर्मचारियों ने पूरी मुस्तैदी दिखाई। समापन के बाद सभी प्रतिभागियों के लिए सुरुचिपूर्ण भोजन की व्यवस्था की गई।

नवजात का पार्षद और नंदी गौ सेवा टीम ने किया अंतिम संस्कार

शहडोल। जिले के सीधी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग द्वारा जन्मे 12 दिन के मासूम नवजात की मौत से पूरा इलाका दहल उठा। पुलिसिया तफ्तीश और पोस्टमार्टम की औपचारिकता के बाद जब शव को अपनों का कंधा नसीब नहीं हुआ, तो मानवता शर्मसार होने से बच गई। वार्ड पार्षद और नंदी गौ सेवा धाम की टीम ने त्वरित कड़ा रुख अपनाते हुए सामाजिक दायित्व संभाला। टीम के जांबाज सदस्य विनय कुंडे व साथियों ने आकाशवाणी रेडियो स्टेशन के सामने स्थित श्मशान भूमि में पूरी मुस्तैदी के साथ व्यवस्था कराई और मासूम के शव को सम्मानपूर्वक दफनाया। व्यवस्था की इस घोर संवेदनहीनता के बीच टीम ने प्रशासनिक सुस्ती को आइना दिखाते हुए मानवता का फर्ज निभाया।

खबर संक्षेप

बारिश के कारण भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे स्थानीय लोगों को मिली बड़ी राहत

कोतमा। नगर में सुबह से बादलों और धूप की लुकाछिपी के बाद दोपहर को हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। इस बारिश के कारण भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया है। शुक्रवार को सुबह से ही बादलों की लुकाछिपी शुरू हो गई थी। जहां लोगों का उमस भरी गर्मी से हाल बेहाल था दूसरी हो केशवाही रोड स्थित 132/33 विद्युत विभाग के सब स्टेशन मे शट-डाउन के कारण पूरे इलाके की पांच घंटे बिजली सप्लाई बाधित रही जिसके कारण उमस भरी गर्मी से लोगों का हाल बेहाल रहा। सुबह से आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई थी। इसके बाद हुई बारिश ने तापमान में गिरावट दर्ज कराई। बारिश के बाद वातावरण में ठंडक घुल गई है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से चैन मिला है। इस बेमौसम या हल्की मानसून पूर्व बारिश से स्थानीय किसानों के चेहरे भी खिल उठे हैं। किसान नगर मे स्थित बीज दुकानों पर पहुंच कर बीज की खरीददारी करनी शुरू कर दिया गया है। बीज दुकानों मे किसानों की भीड़ देर रात तक लगी रही।

खेल और शिक्षा के संतुलन से ही मिलेगी सफलता: अनुजा पटेल

राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

उमरिया। जिला मुख्यालय उमरिया स्थित स्टेडियम में 15 से 18 जून तक आयोजित राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का गुरुवार को गरिमामय वातावरण में समापन हुआ। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से आई टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं सम्मान प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

समारोह की मुख्यउमरिया, 19 जून। जिला मुख्यालय उमरिया स्थित स्टेडियम में 15 से 18 जून तक आयोजित राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का गुरुवार को गरिमामय वातावरण मुं समापन हुआ। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से आई टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं सम्मान प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुजा पटेल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में हार और जीत खेल का अभिन्न हिस्सा हैं। पराजित टीमों को निराश होने के बजाय अपनी कमियों का विश्लेषण कर भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने खिलाड़ियों को शिक्षा के महत्व से भी अवगत कराते हुए कहा कि खेल और पढ़ाई दोनों में संतुलन बनाकर ही जीवन में बड़ी सफलताएं हासिल की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज बेटियां खेल जगत में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ा रही हैं। श्रीमती पटेल ने सभी प्रतिभागी टीमों, प्रशिक्षकों तथा विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी अभय सिंह ने कहा कि उमरिया में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिले के लिए गौरव की बात है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल हमें चुनौतियों का सामना करने, टीम भावना के साथ कार्य करने तथा निरंतर आगे बढऩे की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी टीमों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों से हार से सीख लेकर आगे बढऩे का आह्वान किया। कार्यक्रम में विष्णु भारती, राकेश शर्मा एवं सल्कांत बहादुर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई दी तथा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. मरावी ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रतियोगिता में जबलपुर, भोपाल, इंदौर, सागर, उज्जैन, नर्मदापुरम संभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग की टीमों ने हिस्सा लिया। चार दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने बताया कि प्रतिभागी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के लिए आवास, भोजन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं सम्मान प्रदान किए गए। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह का माहौल बना रहा, जिसने प्रतियोगिता को सफल, प्रेरणादायक और यादगार बना दिया।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

मोहर्रम पर्व आपसी भाईचारे एवं सौहाद्र्र के साथ मनाने की अपील

उमरिया। आगामी 26 जून को मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व के संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने जिलेवासियों से मोहर्रम का पर्व आपसी सौहाद्र्र, शांति एवं भाईचारे के साथ मनाने की अपील की।

बैठक में मोहर्रम पर्व के विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बताया गया कि 21 जून को मोहर्रम की पांचवीं तारीख पर परचम कुशाई, 23 जून को सातवीं तारीख पर बाबा हुजूर की सवारी, 24 जून को आठवीं तारीख पर गिरोह का कार्यक्रम, 25 जून को नौवीं तारीख पर बाबा हुजूर की सवारी एवं मुरादगाह में कार्यक्रम आयोजित होंगे। वहीं 26 जून को मोहर्रम की दसवीं तारीख पर बाबा हुजूर की सवारी तथा मुरादगाह में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा 28 जून को मोहर्रम की बारहवीं तारीख पर कर्बला शरीफ में कार्यक्रम संपन्न होगा।बैठक में नगर पालिका प्रशासन को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को इमामबाड़ा से कर्बला एवं पुराने पड़ाव मार्ग तक सडक़ किनारे अतिक्रमण कर रहे वेंडरों को नियमानुसार हटाने, आवारा पशुओं की रोकथाम हेतु हाका गैंग को सक्रिय करने तथा मार्गों की मरम्मत, मुरमीकरण एवं डामरीकरण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही इमामबाड़ा, गांधी चौक और कर्बला क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था के लिए पानी के टैंकर उपलब्ध कराने को कहा गया।

अपर कलेक्टर ने विद्युत विभाग एवं नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से पूर्व नगर का भ्रमण कर खराब ट्रांसफार्मरों एवं विद्युत लाइनों की मरम्मत कराई जाए, ताकि आयोजन के दौरान निर्बाध विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था बनी रहे। मोहर्रम कमेटी को मुरादगाह में अस्थायी विद्युत कनेक्शन लेने की सलाह भी दी गई। बैठक में बताया गया कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए मंगल भवन में श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की जाएगी।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पी.एस. परस्ते, नगर निरीक्षक मदन लाल मरावी सहित शांति समिति के सदस्य पूर्व विधायक अजय सिंह, शंभूलाल खटटर, मेंहदी हसन, वीरेंद्र सिंह सेंगर, राजेश शर्मा, त्रिभुवन प्रताप सिंह, राजेन्द्र कोल, असलम शेर, मो. नईम, मो. आजाद, मो. असलम, शेख अफजल, शिशु पाल यादव, अब्दुल सलीम, यश सिंह, एरास खान, अरूण त्रिपाठी उपस्थित रहे।

नाबार्ड कार्यालय का किया गया उद्घाटन

अनूपपुर। 18 जुन को जिला मुख्यालय में नाबार्ड कार्यालय का विधिवत उद्घाटन क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल से मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वाती द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अनूपपुर जिले को आगे बढ़ाने के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा कि सुनियोजित योजना एवं सामूहिक प्रयासों से जिले का समग्र विकास संभव है। उन्होंने उपस्थित सभी हितधारकों से विकासात्मक गतिविधियों के क्रियान्वयन में डीडीएम को पूर्ण सहयोग एवं समर्थन प्रदान करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने जिले के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें समर्पण के साथ प्राप्त करने पर बल दिया, ताकि सतत प्रगति एवं सार्थक परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें। कार्यक्रम के दौरान अनूपपुर के अग्रणी जिला प्रबंधक दिलीप निगम ने नाबार्ड कार्यालय के उद्घाटन पर शुभकामनाएँ दीं। साथ ही हार्ड संस्था के डायरेक्टर सुशील शर्मा ने कहा कि अनूपपुर एक आदिवासी बहुल जिला है, जहाँ कृषि एवं किसानों के विकास हेतु अनेक संभावनाएँ उपलब्ध हैं, तथा नाबार्ड द्वारा कुछ योजनाएँ जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक क्रियान्वित की जा रही हैं। डीडीएम ईशांत धावले ने कहा कि एक ओर जिले में विभिन्न पावर कंपनियाँ कार्यरत हैं, जिससे विकास को गति मिल रही है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए भी अनेक अवसर उपलब्ध हैं, जिससे संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम में आरबीआई के प्रतिनिधि राम पोरवाल एवं मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक से अभिजीत कुमार रॉय उपस्थित रहे। साथ ही विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि एवं ग्रामीण क्षेत्र से महिला एवं पुरुष कृषकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अमरकंटक में एमपी एवं सीजी एनसीसी ट्रैक शिविर का शुभारंभ

510 कैडेट्स साहस, अनुशासन और नेतृत्व का ले रहे प्रशिक्षण

पांच ट्रैकिंग रूटों पर होगा रोमांचक अभियान

अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण अमरकंटक में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के तत्वावधान में आयोजित एमपी एंड सीजी अमरकंटक ट्रैक शिविर का शुभारंभ उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। यह शिविर 17 जून से 26 जून तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन एनसीसी ग्रुप मुख्यालय जबलपुर के निर्देशन तथा कैंप कमांडेंट कर्नल दिनेश जायसवाल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। शिविर में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के छह ग्रुप मुख्यालयों से आए 510 कैडेट्स तथा 15 एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर्स (एएनओ) सहभागिता कर रहे हैं। देशभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और साहसिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह शिविर युवाओं के व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। शिविर के उद्घाटन अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल दिनेश जायसवाल ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए आगामी दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि ट्रैकिंग केवल शारीरिक क्षमता को विकसित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, टीम भावना, धैर्य और विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता को भी सुदृढ़ बनाती है। उन्होंने सभी कैडेट्स से अनुशासन, समर्पण और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए शिविर का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया।

शिविर के दौरान कैडेट्स के लिए पांच अलग-अलग ट्रैकिंग रूट निर्धारित किए गए हैं। इन मार्गों पर प्रतिदिन 10 से 15 किलोमीटर तक ट्रैकिंग कराई जाएगी। ट्रैकिंग के माध्यम से कैडेट्स अमरकंटक के घने वन क्षेत्रों, पर्वतीय मार्गों और प्राकृतिक स्थलों का अनुभव प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का भी संदेश दिया जाएगा। शिविर में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है। ट्रैकिंग से पूर्व सभी कैडेट्स को आवश्यक सुरक्षा निर्देशों, आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले उपायों तथा समूह अनुशासन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों और अधिकारियों की निगरानी में सभी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं ताकि प्रतिभागियों को सुरक्षित एवं प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध हो सके। अमरकंटक की सुरम्य वादियों में आयोजित यह ट्रैक शिविर युवाओं के भीतर साहसिक भावना को जागृत करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से समृद्ध अमरकंटक में आयोजित यह शिविर निश्चित रूप से सभी कैडेट्स के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगा।

स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों को समय पर ऋण वितरण करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की स्वरोजगार एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, लीड बैंक मैनेजर दिलीप निगम, रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, विभिन्न शासकीय एवं निजी बैंकों के जिला प्रबंधक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, पीएम स्वनिधि एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना आवश्यक है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं, महिलाओं तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिलेगी। कलेक्टर ने सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देशित किया कि लंबित ऋण आवेदनों का समयबद्ध निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से भी कहा कि योजनाओं के पात्र लाभार्थियों के आवेदन पूर्ण दस्तावेजों के साथ बैंकों को प्रेषित किए जाएं, जिससे स्वीकृति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने कहा कि बैंक एवं विभागों के बेहतर समन्वय से ही स्वरोजगार योजनाओं का वास्तविक लाभ युवाओं तक पहुंचाया जा सकता है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिन बैंक शाखाओं में ऋण प्रकरण अधिक संख्या में लंबित हैं, वहां बैंक एवं संबंधित विभागों द्वारा संयुक्त रूप से विशेष शिविर आयोजित कर तकनीकी एवं दस्तावेजी कमियों का मौके पर निराकरण करने को कहा गया। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि जिले के सभी बैंक एवं विभाग समन्वित प्रयासों कर निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करें तथा स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देकर जिले के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान

अवैध कीटनाशक विक्रय पर कार्रवाई, बीज भंडार संचालक पर मामला दर्ज

कटनी। कुठला पुलिस ने अवैध रूप से कीटनाशकों के विक्रय और एक्सपायरी डेट वाले कीटनाशकों के भंडारण के मामले में कार्रवाई करते हुए चौहान बीज भंडार के संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड कटनी रमा गोविंद पटेल की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में बताया गया कि कृषि उपज मंडी के सामने, पहरूआ स्थित चौहान बीज भंडार में बिना वैध प्राधिकार पत्र के कीटनाशकों का विक्रय किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान वहां एक्सपायरी डेट के कीटनाशकों का भंडारण भी पाया गया।मामले में पुलिस ने चौहान बीज भंडार के संचालक के विरुद्ध धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा कीटनाशी अधिनियम की धारा 29(1)(सी) के तहत मामला दर्ज किया है।

योग स्वस्थ, संतुलित और दीर्घायु जीवन का आधार-पंडित संदीप ज्योतिषी

अमरकंटक। भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर योग आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व में स्वास्थ्य, शांति और संतुलित जीवन का पर्याय बन चुका है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मानव जीवन में योग के महत्व को रेखांकित करता है। वर्ष 2026 में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए योग की उपयोगिता को दर्शाता है। पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय की एक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पद्धति है। योग शब्द संस्कृत की युज धातु से बना है, जिसका अर्थ है जुड़ना या मिलन। योग मनुष्य की चेतना को उसके उच्चतम स्तर तक पहुंचाने का माध्यम है। वैदिक साहित्य और प्राचीन ग्रंथों में योग का उल्लेख हजारों वर्षों पूर्व से मिलता है तथा ऋषि-मुनियों एवं तपस्वियों ने इसे जीवन का अभिन्न अंग बनाया।

योग से बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव, अनियमित दिनचर्या और शारीरिक निष्क्रियता के कारण अनेक प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। ऐसे समय में योग एक प्रभावी समाधान के रूप में सामने आया है। नियमित योगाभ्यास शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है, जिससे व्यक्ति संक्रमण एवं विभिन्न रोगों से लड़ने में सक्षम होता है। बेहतर रोग प्रतिरोधक क्षमता व्यक्ति को स्वस्थ एवं ऊर्जावान बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

तनाव, चिंता और अवसाद से मुक्ति का माध्यम

योग के विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान की प्रक्रियाएं मानसिक शांति प्रदान करती हैं। योग तनाव उत्पन्न करने वाले कारकों को कम कर मन को स्थिर करता है तथा सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायता करता है। नियमित अभ्यास से चिंता, अवसाद और मानसिक अशांति जैसी समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। योग शरीर में ऐसे हार्मोनों के स्राव को बढ़ावा देता है जो प्रसन्नता और संतोष की अनुभूति कराते हैं।

शरीर को बनाता है लचीला और सशक्त

योग शरीर की मांसपेशियों और जोड़ों को लचीला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में लंबे समय तक बैठकर कार्य करने और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण लोगों के शरीर का लचीलापन प्रभावित हो रहा है। योग न केवल शरीर की लचक बढ़ाता है, बल्कि शक्ति, सहनशक्ति और संतुलन को भी विकसित करता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है तथा व्यक्ति स्वयं को अधिक सक्रिय महसूस करता है।

योग जीवन का स्वास्थ्य बीमा

पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार योग को मनुष्य जीवन का स्वास्थ्य बीमा कहा जा सकता है। यह केवल रोगों से बचाव का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज को खुशहाली, समृद्धि एवं सकारात्मकता की दिशा में अग्रसर करने वाला जीवन दर्शन है। योग विभिन्न आसनों, प्राणायाम, ध्यान एवं धारणा के माध्यम से शरीर और मन को नियंत्रित एवं संतुलित करता है, जिससे जीवन में शांति और संतोष की अनुभूति होती है।

छात्र जीवन में योग का विशेष महत्व

योग का शिक्षा क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। छात्रों के लिए योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक एकाग्रता, स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रभावी साधन है। योग का नियमित अभ्यास विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखता है तथा अध्ययन के प्रति उनकी रुचि और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में वृद्धि करता है। इसके माध्यम से छात्र स्वतंत्र चिंतन, समस्या समाधान और आत्मअनुशासन जैसे गुण विकसित कर सकते हैं।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का आधार है योग साधना

योग साधना मनुष्य को स्वयं से जोड़ने का माध्यम है। यह शरीर, मन और बुद्धि को संतुलित रखकर आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। योग और अध्यात्म एक-दूसरे के पूरक हैं तथा इनके नियमित अभ्यास से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। आधुनिक तकनीकी और मशीनीकरण के युग में विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को योग के प्रति प्रेरित करना समय की आवश्यकता है।

विश्वभर में बढ़ रही है योग की लोकप्रियता

साल 2015 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत के बाद से विश्व के अनेक देशों में योग के प्रति जागरूकता और रुचि लगातार बढ़ी है। भारत सहित दुनिया के विभिन्न देशों में इस अवसर पर योग शिविरों, कार्यशालाओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। लाखों लोग उत्साहपूर्वक इनमें भाग लेकर स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाते हैं। पंडित संदीप ज्योतिषी ने कहा कि 21 जून वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु, स्वस्थ एवं संतुलित जीवन प्रदान करने की प्रेरणा देता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाकर स्वस्थ, सशक्त और जागरूक समाज का निर्माण करना है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर होने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

अभिभाषक संघ बुढार के अध्यक्ष पद हेतु शैलेन्द्र सिंह बघेल की दावेदारी से अधिवक्ता जगत में उत्साह का संचार

बुढार। अभिभावक संघ बुढार के सत्र 2026-28 के प्रतिष्ठित चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह बघेल द्वारा अध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रस्तुत किए जाने के साथ ही न्यायालय परिसर में उत्साह, विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण निर्मित हो गया। अपनी सादगी, सौम्यता, मिलनसार व्यक्तित्व तथा विधिक क्षेत्र में दीर्घ अनुभव के लिए पहचाने जाने वाले श्री बघेल को अधिवक्ता समुदाय का व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।

श्री बघेल वर्षों से अधिवक्ताओं के हितों, न्यायिक गरिमा तथा संगठनात्मक एकता को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर सक्रिय रहे हैं। उनके व्यवहार की मधुरता, विचारों की गंभीरता और कार्यशैली की पारदर्शिता ने उन्हें अधिवक्ता समाज में एक सम्मानित एवं लोकप्रिय व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया है। वे सदैव वरिष्ठ अधिवक्ताओं के प्रति आदर तथा कनिष्ठ साथियों के प्रति आत्मीय सहयोग की भावना रखते हैं, जिसके कारण वे सभी वर्गों के बीच समान रूप से प्रिय हैं।

नामांकन के अवसर पर न्यायालय परिसर में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की उपस्थिति ने उनके प्रति विश्वास और सम्मान को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं के आशीर्वाद तथा युवा अधिवक्ताओं के उत्साहपूर्ण समर्थन ने इस अवसर को एक गरिमामय और प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया।

अधिवक्ता समुदाय का मानना है कि श्री शैलेन्द्र सिंह बघेल के नेतृत्व में अभिभाषक संघ नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा अधिवक्ताओं के हितों के संरक्षण, संगठन की मजबूती और न्यायिक मूल्यों के संवर्धन को नई दिशा मिलेगी। उनकी उम्मीदवारी को संगठनात्मक समरसता, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता का सशक्त प्रतीक माना जा रहा है।

शहडोल में महाराणा प्रताप जयंती पर उमड़ा क्षत्रिय समाज का जनसैलाब

शहडोल। वीर शिरोमणि हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप की जयंती पर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाण्डव नगर में आयोजित भव्य समारोह सामाजिक सुधार, उच्च शिक्षा और अभेद्य एकता का ऐतिहासिक गवाह बन गया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने दहेज प्रथा पर कड़ा प्रहार करते हुए समाज से बेटा-बेटी का भेद मिटाने की हुंकार भरी। उन्होंने कहा कि दहेज जैसी कुरीतियों पर फिजूलखर्ची करने के बजाय बच्चों की उच्च शिक्षा पर निवेश करें। बेटियां पढ़-लिखकर देश का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने घोषणा की कि यदि स्थानीय नागरिक भूमि उपलब्ध कराएं, तो शहडोल में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी। साथ ही, आगामी वर्ष शहडोल में 11 जोड़ों का भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का संकल्प भी लिया।

इससे पूर्व, दोपहर 12 बजे अमरहा विद्यालय परिसर से भव्य महाराणा प्रताप शोभायात्रा का ऐतिहासिक आगाज हुआ। पारंपरिक राजपूती वेशभूषा में सजे जांबाज युवाओं और मातृशक्ति के हाथों में लहराते ध्वज, देशभक्ति की धुनें और जय भवानी, जय महाराणा के गगनभेदी जयघोषों से शहडोल का कोना-कोना गूंज उठा। नगर के प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह मंच बनाकर पुष्पवर्षा के साथ इस जनसैलाब का स्वागत किया गया। शौर्य यात्रा महाराणा प्रताप चौक पहुंची, जहां वीर शिरोमणि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विशेष पूजन-अर्चन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व सर्वोच्च न्यायालय के प्रख्यात अधिवक्ता डॉ. ए.पी. सिंह ने महाराणा प्रताप के त्याग और स्वाभिमान को याद करते हुए सामाजिक समरसता पर बल दिया। उन्होंने मां कंकाली सिद्धपीठ की महिमा का बखान करते हुए शहडोल के संस्कारों की सराहना की। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने एक बड़ी घोषणा करते हुए आश्वस्त किया कि जनहित और राष्ट्रहित के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले पत्रकारों को यदि किसी भी प्रकार की कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ता है, तो वे न्यायालय में उनकी लड़ाई पूरी तरह निःशुल्क लड़ेंगे।

वायरल पोस्ट से सनसनी: बुढार के प्रतिष्ठित होटल के कर्मचारियों पर अभद्र टिप्पणी, आईटी एक्ट और मानहानि का मामला दर्ज

बुढार। सोशल मीडिया के दुरुपयोग और किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने का एक गंभीर मामला बुढार में सामने आया है। यहाँ एक प्रतिष्ठित होटल की महिला कर्मचारी और संस्थान के एक उच्च प्रबंधकीय पद पर कार्यरत व्यक्ति की तस्वीरों को जोड़कर आपत्तिजनक और भ्रामक पोस्ट वायरल कर दी गई। इस घटना के बाद से ही पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। पीड़ित पक्ष और होटल प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट तथा मानहानि के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, कुछ शरारती तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर होटल के दो कर्मियों की तस्वीरें साझा करते हुए उनके संबंधों को लेकर बेहद गंभीर और अनर्गल आरोप लगाए गए। पोस्ट में यहाँ तक दावा किया गया कि नौकरी और पदोन्नति के बदले अनुचित लाभ उठाने का प्रयास किया गया था। शिकायतकर्ताओं ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह निराधार, मनगढ़ंत और व्यक्तिगत द्वेष से प्रेरित बताया है।

भाई-बहन जैसा पवित्र रिश्ता,राखी की मर्यादा को किया तार-तार

पीड़ित पक्ष ने अपनी शिकायत में स्पष्ट किया है कि वायरल तस्वीरों में दिख रहे दोनों व्यक्तियों के बीच लंबे समय से भाई-बहन का बेहद पवित्र और पारिवारिक संबंध है। महिला कर्मचारी हर साल संबंधित व्यक्ति को राखी भी बांधती है। इसके बावजूद, सिर्फ और सिर्फ सामाजिक छवि खराब करने की नियत से इस पवित्र रिश्ते को झूठे आरोपों के घेरे में लाकर पोस्ट प्रसारित की गई।

बिना पुष्टि के व्हाट्सएप ग्रुपों में फैलाई सनसनी

मामले ने तब और उग्र रूप धारण कर लिया, जब एक अन्य व्यक्ति ने बिना किसी आधिकारिक पुष्टि, जांच या सबूत के, इसी भ्रामक पोस्ट को आधार बनाकर कई व्हाट्सएप (WhatsApp) ग्रुपों में सनसनीखेज तरीके से फॉरवर्ड करना शुरू कर दिया। इस कृत्य से न केवल उन दोनों कर्मचारियों की, बल्कि पूरे होटल प्रबंधन की साख को भी भारी नुकसान पहुँचा है।

होटल प्रबंधन का रुख:₹सोशल मीडिया के जरिए हमारे संस्थान और कर्मचारियों की प्रतिष्ठा को जानबूझकर ठेका पहुँचाने की कोशिश की गई है। हम इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। पुलिस शिकायत के साथ-साथ अब न्यायालय के माध्यम से भी मानहानि की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही

पुलिस जांच शुरू, तकनीकी पहलुओं पर नजर

बुढार थाना पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला साइबर अपराध से जुड़ा हुआ है, इसलिए सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री, पोस्ट करने वाले अकाउंट्स की आईडी और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर दोषियों के खिलाफ विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का बाजार गर्म है।

वन अधिकार अधिनियम के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण

जन जातीय कार्य विभाग का आयोजन

उमरिया। वन अधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक परिसंपत्तियों के रख रखाव और उसके उपयोग करने के संबंध में पाली विकास खंड के माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर में दो दिवसीय प्रशिक्षण जन जातीय कार्य विभाग व्दारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपखंड स्तरीय वन अधिकार समिति की अध्यक्ष एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पाली मीनाक्षी इंगले, सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग उमरिया डॉ. पूजा द्विवेदी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी कुंअर कन्हाई की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। वन अधिकार अधिनियम के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाली विकास खंड के राजस्व विभाग से सभी पटवारी, वन विभाग से फारेस्ट गार्ड और ग्रामीण विकास विभाग से पंचायत सचिव और रोजगार सहायकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ वीणावादिनी के चल चित्र पर दीप प्रज्वलित करते हुए किया गया। कार्यक्रम में विभाग प्रमुखों का अभिनंदन कन्या शिक्षा परिसर की प्राचार्य सरिता गुप्ता व्दारा किया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 150 प्रशिक्षणार्थियो ने भाग लिया। आज के प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र सीएफआरआर के बारे में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य डॉक्टर पूजा द्विवेदी ने विस्तार सहित प्रशिक्षणार्थियों को समझाते हुए पूरे दिवस आ रही थी जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान स्वयं किया। मास्टर ट्रेनर संजय पांडेय ने वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत तीन प्रकार दावों व्यक्तिगत, सामुदायिक और सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन दावों के बारे में बताते हुए सीएफआरआर की पूरी प्रक्रिया, ग्राम समिति का गठन और पूरी प्रक्रिया के दौरान लगने वाले सभी प्रपत्रों को सिलसिलेवार बताया। आज का प्रशिक्षण श्रीमती पुष्पा तेकाम, ब्लॉक समन्वयक जन अभियान परिषद पाली, श्रीमती दमयंती ठाकुर जिला समन्वयक पेसा, श्री ए के शुक्ला प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर उमरिया, संजय पांडेय प्रभारी मंडल संयोजक एवं मानव जीवन विकास समिति कटनी के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा दिया गया, जिसमें गांव में वन अधिकार समिति गठन करने, सामुदायिक संसाधन का दवा लगाने , दावे के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया, नजरी नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया, सामुदायिक अधिकार के लिए बुजुर्गों का कथन, दावों का सत्यापन, स्थल निरीक्षण उपरांत खंड स्तरीय समिति को दावों का प्रेषण आदि सूक्ष्मतम बिंदुओ की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सभी प्रकार के सूचनाओं, प्रपत्रों आदि को विस्तार से भरने के लिए समझाया गया।

किसान मृदा के अनुरूप खेती कर कृषि को बनाएं लाभ का धंधा - कलेक्टर

मानपुर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंडका में जन कल्याण शिविर एवं जैविक-प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर किसानों एवं ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने कहा कि रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से न केवल भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए अनेक योजनाओं का संचालन कर रही है। किसानों को इन योजनाओं का लाभ लेकर आधुनिक तकनीकों एवं प्राकृतिक खेती के माध्यम से अपनी आय में वृद्धि करनी चाहिए। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे अपनी भूमि की नियमित रूप से मृदा परीक्षण कराएं तथा मिट्टी की गुणवत्ता एवं पोषक तत्वों के आधार पर ही फसलों का चयन करें। इससे उत्पादन लागत कम होगी और बेहतर उपज प्राप्त होगी। कलेक्टर ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर किसान

उन्नत खेती की तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें और कम भूमि में अधिक उत्पादन लेने के उपाय सीखें।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक के.के. तिवारी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने किसानों को जैविक खेती, प्राकृतिक कृषि, फसल विविधीकरण तथा उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देते हुए कहा कि इन पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ा सकते हैं और खेती को लाभकारी व्यवसाय में परिवर्तित कर सकते हैं।कार्यशाला में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा शासन की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, फसल बीमा योजना, कृषि यंत्रीकरण तथा अन्य कृषि विकास योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही किसानों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।शिविर स्थल पर कृषि विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसके माध्यम से जैविक कृशि करने के उपाय एवं खाद की जानकारी प्रदाय की गई। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर श्रीमती सहाय ने किसानों को बीज वितरित किए। इस अवसर पर एसडीएम मानपुर श्रीमती हरनीत कौर कलसी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर श्री अमित सिरौठिया, जनपद सदस्य श्रीमती सावित्री सिंह, ध्रुव सिंह, ग्राम पंचायत के सरपंच, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी सहित कृषि विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ग्राम डोडका में गौशाला एवं नव निर्मित आंगनबाडी केंद्र का किया निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत डोडका में संचालित गौशाला तथा पीएम जन मन योजना के तहत नव निर्मित आंगनबाडी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। गौशाला के निरीक्षण के दौरान उन्होने उन्होंने गौवंश के रख-रखाव, चारे एवं पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था तथा पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने गौशाला में मौजूद गौवंश की देखभाल के संबंध में अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि गौशाला में पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में हरा एवं सूखा चारा उपलब्ध कराया जाए तथा स्वच्छ पेयजल की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि गौवंश की सुरक्षा एवं संरक्षण शासन की प्राथमिकता है, इसलिए उनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गौशाला परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण तथा जैविक खेती में उनके उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। इसी तरह कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने ग्राम डोंडका में ही प्रधानमंत्री जनमन (पीएम-जनमन) योजना के तहत नव निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की गुणवत्ता, बच्चों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा केंद्र के संचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान बताया कि ग्राम पंचायत व्दारा आंगनबाडी केंद्र का निर्माण किया गया है, जो अभी तक हैंडओव्हर नही हुई है। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र में पेयजल, शौचालय, पोषण आहार वितरण, खेल सामग्री तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की आधारशिला हैं, इसलिए इनके संचालन में गुणवत्ता एवं नियमितता बनाए रखना आवश्यक है। इस अवसर पर एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मानपुर अमित सिरौठिया सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने पर दिया गया जोर

शहडोल। जिले की जनपद पंचायत गोहपारू के सभाकक्ष में गुरुवार को पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना एवं उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने के लिए व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में जनपद अध्यक्ष गोहपारू, जनपद पंचायत के सदस्यगण, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जयसिंहनगर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू, बीआरसी जनपद शिक्षा केंद्र गोहपारू, शिक्षकगण, अतिथि शिक्षक, अक्षर साथी, ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि तथा रसोइयों सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के अशिक्षित व्यक्तियों को साक्षर बनाना है, जिससे वे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ सकें और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से प्राप्त कर सकें।

बैठक में संस्था प्रमुखों, अतिथि शिक्षकों एवं अक्षर साथियों से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने ग्राम पंचायतों एवं कार्यक्षेत्रों में सर्वे कर 15 वर्ष से अधिक आयु के अशिक्षित व्यक्तियों की पहचान करें तथा उनका पंजीयन एवं रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करें। साथ ही साक्षरता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने पर भी बल दिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा से जोडऩा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अक्षर साथियों एवं नागरिकों के सहयोग से अभियान को सफल बनाया जाएगा।बैठक में पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा योजना के प्रभावी संचालन एवं गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए।

11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सव का समापन: नाटक 'फेयरवेल की साड़ी' ने झकझोरा दर्शकों का दिल

शहडोल। कला और संवेदनाओं के अनूठे संगम के साथ शहडोल में आयोजित 11 दिवसीय नाट्य रंग महोत्सव 2026 का भव्य समापन हुआ। समापन सत्र के अंतिम दिन, 18 जून 2026 को स्थानीय होटल शुभम पैलेस में भोपाल की सुप्रसिद्ध नाट्य संस्था 'आरम्भ थियेटर एण्ड सोशियो वेलफेयर सोसाइटी' द्वारा नाटक 'फेयरवेल की साड़ी' का अत्यंत सफल और मर्मस्पर्शी मंचन किया गया।

इस नाटक ने समाज में महिलाओं की सुरक्षा और उनके प्रति पुरुषवादी मानसिकता के कड़वे सच को बेहद संजीदगी के साथ दर्शकों के सामने रखा।

कथानक और निर्देशकीय दृष्टिकोण: स्त्री अस्मिता पर तीखा प्रहार

नाटक के निर्देशक अमित जाट ने रंगमंच के माध्यम से समाज की एक घिनौनी और कड़वी सच्चाई को उजागर किया। निर्देशकीय संदेश में उन्होंने कहा:₹स्त्री के विरुद्ध पुरुष लगातार बलात कृत्य करता आ रहा है। वह उस पर हाथ उठाता है, उसे अपने से तुच्छ बताता है और उसकी स्वतंत्रता को कैद कर लेता है। पुरुष अपनी इस ताकत के घमंड में अपनी ही बहन, बेटी, भांजी या भतीजी पर भी अत्याचार करने से संकोच नहीं करता। स्त्री आज न घर में सुरक्षित है, न बाहर। 'फेयरवेल की साड़ी' को निर्देशित करते समय यही बात मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण रही, जिसने मुझे इसे आम जनता के बीच लाने के लिए प्रेरित किया।₹

मंच पर और मंच के पीछे के कलाकार

नाटक के सधे हुए अभिनय ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।रंगमंच पर (मुख्य भूमिका): संदीप पाटिल, आकांक्षा सिंह भदौरिया और अमित जाट ने अपने जीवंत अभिनय से किरदारों को अमर कर दिया।मंच परे (बैकस्टेज टीम): शिवानी कटेरिया, कीर्ती डोंगरे, प्रदीप डोंगरे और अंश पायन सिन्हा ने प्रकाश, संगीत और मंच व्यवस्था में अपना बेजोड़ योगदान दिया।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं लेखक और निर्देशक,निर्देशक अमित जाट: मूल रूप से हरदा के रहने वाले अमित पिछले 10 वर्षों से रंगमंच और सिनेमा में सक्रिय हैं। रंग गुरु सरफराज हसन के सानिध्य में अभिनय सीखने वाले अमित 'लिपस्टिक अंडर माय बुरखा', 'ड्रीम गर्ल', 'सत्याग्रह' जैसी फिल्मों और 'सावधान इंडिया', 'मेरे साई' जैसे धारावाहिकों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवा चुके हैं। उन्हें 'रंग युवायन सम्मान' से भी नवाजा जा चुका है।लेखक व अभिनेता संदीप पाटिल: पिछले 15 वर्षों से रंगकर्म में सक्रिय संदीप पाटिल ने भी सरफराज हसन जी के सानिध्य में स्कूली दिनों से यात्रा शुरू की थी। 'फ्रॉड सैय्या', 'आरक्षण' जैसी फिल्मों और 'क्राइम पेट्रोल', 'लाल इश्क' जैसे शोज़ में काम कर चुके संदीप को सत्यदेव दुबे सम्मान और बेस्ट राइटर जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

आरम्भ संस्था का पहला और साहसिक प्रयास

वर्ष 2023-24 में गठित 'आरम्भ थियेटर एण्ड सोशियो वेलफेयर सोसायटी' का मुख्य उद्देश्य कला के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को उठाना है। संस्था का यह पहला नाटक 'फेयरवेल की साड़ी' नारी शोषण के खिलाफ एक बुलंद आवाज बनकर उभरा है। संस्था नए कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए पूरी तरह कृतसंकल्पित है।

शहडोल संभाग का पहला ऐतिहासिक आयोजन और गरिमामयी उपस्थिति

शहडोल के रंगमंच के इतिहास में यह पहला और सबसे बड़ा प्रयास था, जहां संभाग में पहली बार 11 दिवसीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें देश-प्रदेश के प्रतिष्ठित कला समूहों ने हिस्सा लिया। इस सफल आयोजन का जिम्मा शहडोल की स्थानीय नाट्य संस्था 'सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति शहडोल' ने उठाया, जिसका कुशल संयोजन रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी द्वारा किया गया। मंच संचालन का कार्य प्राप्ति सोनी, रित्विक दास मिश्रा और लकी चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से संभाला।

समापन समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि व गणमान्य नागरिक:

महोत्सव के समापन सत्र में शहर की कई जानी-मानी राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें मुख्य रूप से शामिल रहे: अमिता चपरा (भाजपा जिला अध्यक्ष),घनश्याम जायसवाल (नगर पालिका अध्यक्ष,)मनोज गुप्ता,विजय दुबे,रिंकी दुबे,रामसखा नामदेव,केपी महिंद्रा किरण सिंह,सरिता सिंह,दुष्यंत सिंह,द्वारका दाहिया,रूपाली सिंघाई,रविंद्र वैद्य,विजय उपाध्याय,रजनीश कुमार सोनी,मुद्रिका प्रसाद,एस एस जौहरी,शुशील सिंघल,रवींद्र वर्मा,राकेश कनौजिया,दिलीप खटीक,विपिन सोनी,ऋतिक दास मिश्रा,इश्तियाक खान,अजय बिजरा,दीपा सिंह,रेनू त्रिवेदी,पुष्पा द्विवेदी,पुरुषोत्तम राठौर,अर्जुन त्रिपाठी,प्रकाश जायसवाल,प्रमोद विश्वकर्मा,अखिलेश नामदेव,अरुण नामदेव,शिव कुमार नामदेव,तिवारीजी,दिलीप चतुर्वेदी,नव दुर्गेश मिश्रा,शांति चतुर्वेदी,तृप्ति मिश्रा,सुनील अंगवानी,कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति के कलाकारों और समस्त कला प्रेमी, रंग प्रेमी एवं प्रबुद्ध दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस ऐतिहासिक नाट्य महोत्सव को विदाई दी।

जल जीवन मिशन में रिश्वत का खेल '2 लाख की डिमांड, 1.50 लाख पहले डकारे'

अमित शाह हुए गिरफ्तार, स्थानांतरण के बाद हुए ट्रैप,30 हजार लेते पीएचई इंजीनियर ईओडब्ल्यू के शिकंजे में

अनूपपुर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) रीवा ने बड़ी कार्यवाही करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के प्रभारी कार्यपालन यंत्री अमित शाह को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अधिकारी पर ठेकेदार के लंबित भुगतान, सिक्योरिटी डिपॉजिट और एफडीआर रिलीज करने के एवज में 2 लाख रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। जांच में खुलासा हुआ कि 1.50 लाख रुपये पहले ही लिए जा चुके थे। इस कार्यवाही के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी कार्यपाली यंत्री अमित शाह का अनूपपुर से स्थानांतरण बालाघाट जिले के लिए हो चुका है जानकारी के अनुसार 18 जून को अनूपपुर जिले से उनकी विदाई भी हो चुकी हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना, जिसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, अब भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के कारण सुर्खियों में आ गई है। अनूपपुर जिले में वर्ष 2020-21 के दौरान पाइपलाइन विस्तार, घर-घर नल कनेक्शन और अन्य निर्माण कार्यों का ठेका रीवा की आरजीए कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया था। कंपनी द्वारा कार्य पूर्ण कर दिए जाने के बावजूद अंतिम भुगतान, सिक्योरिटी डिपॉजिट और एफडीआर की राशि विभागीय स्तर पर अटकी हुई थी। आरोप है कि इन्हीं देयकों को जारी करने के बदले प्रभारी कार्यपालन यंत्री अमित शाह ने ठेकेदार प्रतिनिधि रामाश्रय यादव से 2 लाख रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत ईओडब्ल्यू रीवा तक पहुंची तो सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद बिछाए गए जाल में आरोपी अधिकारी 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। इस कार्रवाई ने सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जल जीवन मिशन के भुगतान पर लगा रिश्वत का ताला

जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों के भुगतान को लेकर यह पूरा मामला सामने आया है। ठेकेदार कंपनी का लगभग 14 लाख रुपये का अंतिम बिल, 7 लाख रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजिट तथा करीब 4 लाख रुपये की एफडीआर विभाग में लंबित थी। आरोप है कि इन राशियों को जारी करने के बदले प्रभारी कार्यपालन यंत्री ने रिश्वत की मांग रखी। सरकारी योजनाओं में भुगतान के लिए रिश्वत की मांग होना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है बल्कि विकास कार्यों की पारदर्शिता पर भी गंभीर चोट पहुंचाता है।

शिकायत से जाल तक, ईओडब्ल्यू ने रची पूरी रणनीति

जब शिकायतकर्ता रामाश्रय यादव ने रिश्वत मांगने की जानकारी ईओडब्ल्यू रीवा को दी तो टीम ने पहले शिकायत का सत्यापन किया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद पूरी कार्यवाही की योजना बनाई गई। अधिकारी की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई और तय समय पर शिकायतकर्ता को राशि लेकर भेजा गया रहा है। ईओडब्ल्यू की टीम पहले से मौके पर तैनात थी। जैसे ही रिश्वत की रकम आरोपी ने स्वीकार की, टीम ने तत्काल दबिश देकर उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।

डेढ़ लाख पहले ले चुका था अधिकारी

जांच में सामने आया कि आरोपी अधिकारी केवल रिश्वत मांग ही नहीं रहा था बल्कि उसकी पहली किस्त भी वसूल चुका था। ईओडब्ल्यू के अनुसार 2 लाख रुपये की मांग में से 1 लाख 50 हजार रुपये पहले ही आरोपी द्वारा प्राप्त किए जा चुके थे। शेष राशि में से 30 हजार रुपये लेने के दौरान गिरफ्तारी हुई। यह तथ्य बताता है कि रिश्वत का लेन-देन एक सुनियोजित प्रक्रिया के तहत किया जा रहा था। अब जांच एजेंसी पूरे वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है।

निजी निवास बना रिश्वत लेन-देन का ठिकाना

सूत्रों के अनुसार आरोपी अधिकारी ने रिश्वत लेने के लिए अपने स्मार्ट सिटी स्थित निजी निवास को चुना था। सरकारी कार्यालय के बजाय निजी आवास पर बुलाकर राशि लेने की योजना बनाई गई थी ताकि किसी प्रकार की आशंका न रहे। लेकिन ईओडब्ल्यू की निगरानी इतनी सटीक थी कि आरोपी अपनी योजना में सफल नहीं हो सका है। निजी आवास पर हुई इस कार्यवाही ने यह भी संकेत दिया कि भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपी किस प्रकार गोपनीय तरीके अपनाने का प्रयास करते हैं।

विभाग में मचा हड़कंप, जांच का दायरा बढ़ने के संकेत

गिरफ्तारी के बाद पीएचई विभाग सहित प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों का दावा है कि आरोपी अधिकारी के खिलाफ पहले भी अनियमितताओं और रिश्वतखोरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ईओडब्ल्यू अब पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रिश्वत का यह नेटवर्क कितना व्यापक था। यदि जांच में अन्य अधिकारियों या कर्मचारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकती है।

गुरु शिष्या के रिश्ते को तार-तार करती वायरल फोटो

मामला पुष्पराजगढ़ महाविद्यायल का, इसे शोषण कहें या संरक्षण?

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ में शिक्षक डॉ. धर्मेंद्र सतनामी पर छात्रा के साथ अनुचित व्यवहार और गलत स्पर्श करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने इस मामले में प्राचार्य और एसडीएम को शिकायत सौंपकर तत्काल जांच और कड़ी कार्यवाही की मांग की है। संगठन का आरोप है कि शिक्षक की हरकतों से छात्राओं में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। कार्यवाही नहीं होने पर कॉलेज घेराव और चक्का जाम की चेतावनी भी दी गई है। पुष्पराजगढ़ स्थित शासकीय स्नातक महाविद्यालय एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा सौंपे गए शिकायत पत्र में महाविद्यालय में पदस्थ शिक्षक डॉ. धर्मेंद्र सतनामी पर छात्रा के साथ अनुचित व्यवहार करने और गलत तरीके से स्पर्श करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि संबंधित शिक्षक छात्राओं से अभद्र

भाषा का प्रयोग करते हैं और उनकी गतिविधियों से छात्राएं मानसिक रूप से परेशान एवं असहज महसूस कर रही हैं। छात्र संगठन का दावा है कि इससे पहले भी शिक्षक के खिलाफ इस प्रकार की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। मामले को लेकर छात्र-छात्राओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। संगठन ने प्रशासन से तीन दिन के भीतर जांच पूरी कर शिक्षक को निलंबित करने तथा अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। यदि कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन, कॉलेज घेराव और चक्का जाम जैसे कदम उठाने की चेतावनी दी गई है।

शिक्षक पर छात्रा से अनुचित व्यवहार का आरोप

महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रा से जुड़े इस मामले ने शिक्षा जगत को झकझोर दिया है। छात्र संगठन द्वारा दिए गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि संबंधित शिक्षक छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार करते हैं और गलत स्पर्श जैसी हरकतें करते हैं। शिकायत के अनुसार इस तरह की घटनाओं से छात्राएं स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। छात्र संगठन का कहना है कि शिक्षा संस्थान छात्रों के लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए होते हैं, लेकिन यदि शिक्षक ही विवादों में घिर जाएं तो यह पूरे शैक्षणिक माहौल पर सवाल खड़े करता है। संगठन ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल जांच और कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

छात्र संगठन का अल्टीमेटम, तीन दिन में कार्यवाही की मांग

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि तीन दिनों के भीतर आरोपी शिक्षक के खिलाफ ठोस कार्यवाही नहीं की गई तो व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। शिकायत पत्र की प्रतिलिपि उच्च शिक्षा विभाग, कलेक्टर, विधायक, सांसद और पुलिस प्रशासन को भी भेजी गई है। संगठन का कहना है कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संगठन ने शिक्षक को तत्काल निलंबित करने और जांच पूरी होने तक महाविद्यालय से दूर रखने की मांग की है। इससे कॉलेज परिसर में चर्चा और तनाव का माहौल बना हुआ है।

प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल, जांच पर टिकी निगाहें

मामले के सामने आने के बाद अब सभी की निगाहें महाविद्यालय प्रशासन और जिला प्रशासन की कार्रवाई पर टिक गई हैं। छात्र संगठन का आरोप है कि पहले भी संबंधित शिक्षक के खिलाफ शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि यदि पूर्व में शिकायतें थीं तो उन पर क्या कार्रवाई की गई। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष अभी सामने नहीं आया है। जांच शुरू होने के बाद ही आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल यह मामला छात्राओं की सुरक्षा, महाविद्यालय की व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर बड़ा मुद्दा बन गया है।

आधे घंटे की बारिश में डूबी व्यवस्था, दुकानों में घुसा पानी, नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

हर साल जलभराव के बावजूद नहीं निकला स्थायी समाधान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला मुख्यालय में शुक्रवार दोपहर लगभग 2 बजे हुई महज आधे घंटे की बारिश ने नगर पालिका की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। नगर के प्रमुख मार्ग पर स्थित प्रगतिशील ढाबा के सामने अनिल राठौर की दुकान में बारिश का पानी घुस गया, जिससे दुकान संचालक को आर्थिक एवं व्यावसायिक नुकसान का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। वर्षों से बारिश के दौरान इसी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति निर्मित होती रही है, लेकिन नगर पालिका परिषद द्वारा स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई। नालियों की समुचित सफाई, जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था तथा आवश्यक निर्माण कार्यों के अभाव में हर वर्ष नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ती है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा समय-समय पर जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में उन दावों की वास्तविकता सामने आ जाती है। आधे घंटे की वर्षा में ही सड़कें जलमग्न हो गईं और पानी दुकानों तक पहुंच गया, जिससे नगर प्रशासन की तैयारियों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जाए तथा स्थायी जल निकासी योजना बनाकर उसका तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आगामी मानसून में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। यह प्रश्न अब केवल एक दुकान या एक मोहल्ले का नहीं, बल्कि पूरे नगर की बुनियादी सुविधाओं और प्रशासनिक जवाबदेही का बन चुका है। आखिर हर वर्ष एक जैसी समस्या सामने आने के बावजूद नगर पालिका प्रशासन स्थायी समाधान क्यों नहीं खोज पा रहे हैं? जनता को अब आश्वासनों नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों की अपेक्षा है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए जलभराव की समस्या के स्थायी निराकरण हेतु ठोस कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि भविष्य में नागरिकों एवं व्यापारियों को इस प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्थानांतरण आदेशों के संबंध में शासन ने हाईकोर्ट में दायर की कैविएट याचिकाएं

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल द्वारा 15 जून को जिला अनूपपुर के अंतर्गत विभिन्न नगरीय निकायों में कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण संबंधी आदेश जारी किए गए हैं। उक्त आदेशों के विरुद्ध कुछ कर्मचारियों द्वारा उच्च न्यायालय, जबलपुर में याचिकाएं दायर किए जाने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा आवश्यक कानूनी कार्यवाही की गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्य प्रदेश शासन की ओर से उच्च न्यायालय, जबलपुर में संबंधित प्रकरणों के संबंध में कैविएट याचिकाएं प्रस्तुत की गई हैं, ताकि किसी भी याचिका पर सुनवाई से पूर्व शासन पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर प्राप्त हो सके। इस संबंध में संबंधित कर्मचारीगणों को निर्देशित किया गया है कि यदि वे स्थानांतरण आदेशों के विरुद्ध उच्च न्यायालय में कोई याचिका प्रस्तुत करते हैं, तो उसकी अग्रिम प्रति अनिवार्य रूप से स्वप्निल गांगुली, उप महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय, जबलपुर को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिससे न्यायालयीन प्रक्रिया का विधिवत पालन किया जा सके।

संस्कार लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, विश्वविद्यालय की

मेरिट सूची में बनाया स्थान, महाविद्यालय का परिणाम 96 प्रतिशत रहा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। संस्कार लॉ कॉलेज, अनूपपुर के विद्यार्थियों ने शंभूनाथ विश्वविद्यालय द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने शीर्ष स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। महाविद्यालय के छात्र सार्थक पटेल ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान, आशीष कुमार चौधरी ने द्वितीय स्थान तथा अनीता देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही महाविद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 96 प्रतिशत रहा, जो संस्थान की उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचायक है। महाविद्यालय के निर्देशक नवोद चपरा एवं प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि

यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और महाविद्यालय के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों विद्यासागर मांझी, रविन्द्र कुमार यादव, श्रीमती सरिता चौरसिया, अभय शर्मा, पुष्पेन्द्र पटेल एवं अनुराग पाल तथा महाविद्यालय के अन्य सदस्य राम नरेश केवट, लखन लाल केवट, रवि कुमार केवट, कुमारी शिवांगी गुप्ता, सुनील कुशवाहा, कमलेश कहार एवं श्यामबाई कहार ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और समर्पण से ही ऐसी उपलब्धियाँ प्राप्त होती हैं। महाविद्यालय परिसर में सफल विद्यार्थियों की सराहना की गई। संस्कार लॉ कॉलेज प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी संस्थान के विद्यार्थी शिक्षा और विधि के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय, जिले एवं प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री से मिले अनूपपुर के जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य सुविधाओं और जिले के विकास को लेकर सौंपा ज्ञापन

जिला अस्पतालों में डॉक्टरों की नियुक्ति एवं शहडोल मेडिकल कॉलेज में विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से उनके भोपाल स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट कर जिले के विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जिला अनूपपुर एवं शहडोल संभाग की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए दो महत्वपूर्ण मांगों से संबंधित ज्ञापन भी सौंपे। प्रतिनिधिमंडल में शहडोल जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष आधा राम वैश्य, नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, जिला पंचायत अनूपपुर के उपाध्यक्ष एवं भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पर्वती राठौर, भाजपा नेता वाल्मीकि राठौर, युवा नेता नितिन सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अनूपपुर के अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी पर जताई चिंता

विधायक बिसाहूलाल सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की सीमा से लगा आदिवासी एवं पिछड़ा क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में जनजातीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग निवास करते हैं। जिले के कई अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों के पद स्वीकृत होने के बावजूद नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं, जिसके कारण मरीजों को जिला अस्पताल या अन्य बड़े चिकित्सा केंद्रों में रेफर करना पड़ता है। कई बार गंभीर मरीज समय पर उपचार नहीं मिलने से रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि जिला चिकित्सालय सहित जिले के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वीकृत पदों के अनुरूप चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की शीघ्र पदस्थापना कराई जाए, जिससे आम जनता को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

शहडोल मेडिकल कॉलेज में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग

पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री के समक्ष एक अन्य महत्वपूर्ण विषय रखते हुए कहा कि आदिवासी बहुल शहडोल संभाग में न्यूरो सर्जन, फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञों की भारी कमी है। सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के अभाव में जबलपुर, रीवा और अन्य शहरों में रेफर करना पड़ता है, जिससे कई मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। उन्होंने मांग की कि बिरसा मुण्डा चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालय, शहडोल में न्यूरो सर्जन, फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञों के स्वीकृत पदों पर शीघ्र नियुक्तियां कराई जाएं, ताकि संभाग के लाखों लोगों को स्थानीय स्तर पर उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

विकास एवं जनहित के मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने जिले के समग्र विकास, स्वास्थ्य अधोसंरचना, जनसुविधाओं के विस्तार और क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं पर भी विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। राजनीतिक एवं सामाजिक दृष्टि से इस मुलाकात को अनूपपुर एवं शहडोल संभाग की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सरकार द्वारा शीघ्र निर्णय लिए जाने पर क्षेत्र के हजारों मरीजों को बेहतर और सुलभ चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

जल संरक्षण के लिए मंत्री दिलीप जायसवाल ने किया श्रमदान, दुलहीकुंड नाले की सफाई में जनप्रतिनिधियों ने संभाली कमान

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बिजुरी के वार्ड क्रमांक 1 स्थित दुलहीकुंड नाला, मौहरी में विशेष श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नाले की साफ-सफाई कर जल स्रोतों के संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने स्वयं श्रमदान कर अभियान को गति प्रदान की। उनके साथ नगर पालिका परिषद बिजुरी की अध्यक्ष शहबीन पनिका, नगर पालिका के उपयंत्री,

भाजपा मंडल अध्यक्ष रविन्द्र रिंकू शर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने मिलकर नाले से गंदगी एवं अवरोधों को हटाया तथा जल स्रोतों को संरक्षित रखने का संकल्प लिया। मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल स्रोतों का संरक्षण और स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। नगर पालिका अध्यक्ष शहबीन पनिका ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़कर जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। श्रमदान कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्रवासियों को यह संदेश दिया गया कि सामूहिक प्रयासों से ही जल संकट की चुनौती का प्रभावी समाधान संभव है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छ, स्वस्थ एवं जल-संरक्षित भविष्य के निर्माण का संकल्प लेते हुए अभियान को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।